

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या: 372 / VII-1 / 13-ख / 2010
देहरादून : दिनांक: 08 फरवरी, 2011
मान्य

कार्यालय ज्ञाप

जनपद पिथौरागढ़ की तहसील मुनस्यारी के ग्राम रायां के क्षेत्रान्तर्गत 4.157 हैक्टेयर क्षेत्रफल में खनिज सोपस्टोन का 30 वर्ष की अवधि के लिए खनन पट्टा प्राप्त करने के लिए खनिज परिहार नियमावली, 1960 के प्राविधानों के अन्तर्गत आवेदक श्री महेश सिंह नेगी पुत्र श्री प्रेम सिंह नेगी, निवासी जागनाथ कालोनी (दमुवाढुंगा) हल्द्वानी, जनपद नैनीताल ने दिनांक 22.09.2006 को जिलाधिकारी कार्यालय पिथौरागढ़ में आवेदन पत्र प्रस्तुत किया है।


आवेदक श्री महेश सिंह नेगी द्वारा प्रस्तुत आवेदन पत्र दिनांक 22.09.2006 के कालम (Viii) में आवेदित क्षेत्र का क्षेत्रफल 2.647 हैक्टेयर/एकड़ तथा कालम (iX) में आवेदित क्षेत्र के विस्तृत विवरण में आवेदित क्षेत्र का क्षेत्रफल 4.157 हैक्टेयर लिखा गया है और आवेदित क्षेत्र दो खण्डों में है। खण्ड-1 आवेदक श्री महेश सिंह नेगी के पक्ष में शासनादेश संख्या 2971/18-11-95-96(206)/93, दिनांक 18.09.1995 द्वारा प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस पर 3.75 एकड़ अर्थात् 1.51 हैक्टेयर क्षेत्र स्वीकृत किया गया था तथा खण्ड-2 जिसका क्षेत्रफल 4.655 हैक्टेयर है, को श्री नेगी द्वारा प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस पर स्वीकृत क्षेत्र में सम्मिलित करते हुए बढ़ाये जाने का अनुरोध किया गया।

आवेदित खण्ड-2, आवेदक के पक्ष में प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस पर स्वीकृत खण्ड-1, से लगा हुआ न होने के कारण, उसे शासनादेश संख्या 834/औ0वि0/88-ख/2003, दिनांक 07.01.2004 में दिए गए निर्देशानुसार प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस पर स्वीकृत खण्ड-1 में सम्मिलित करते हुए उसका एक संहत खण्ड बनाना संभव नहीं है। खण्ड-1 व खण्ड-2 के बीच की दूरी मानचित्र के पैमाने के अनुसार लगभग 105 मीटर है। सहायक भूवैज्ञानिक, जिला टास्क फोर्स कार्यालय, पिथौरागढ़ द्वारा अवगत कराया गया है कि उक्त खण्ड-2 के लिए एक अन्य आवेदक श्री गणेश दत्त जोशी द्वारा भी प्रोस्पेक्टिंग लाईसेंस हेतु अपना आवेदन पत्र दिनांक 25.08.2005 जिलाधिकारी कार्यालय पिथौरागढ़ में प्रस्तुत किया गया है। जिस पर नियमानुसार श्री गणेश दत्त जोशी की प्राथमिकता बनती है।

आवेदक श्री महेश सिंह नेगी को खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम-26(1) के अन्तर्गत शासन के पत्र संख्या: 293/VII-1-11/13-ख/2007, दिनांक 10 फरवरी, 2011 द्वारा दिनांक 21 फरवरी, 2011 को सुनवाई में शासन के समक्ष अपना पक्ष रखने का अवसर दिया गया। साथ ही श्री गणेश दत्त जोशी को भी अपना पक्ष रखने का अवसर शासन के उक्त पत्र दिनांक 10 फरवरी, 2011 द्वारा प्रदान किया गया। उक्त सुनवाई में जिलाधिकारी, पिथौरागढ़ के प्रतिनिधि के रूप में

श्री दिनेश कुमार, खान अधिकारी उपस्थित हुए। श्री महेश सिंह नेगी स्वयं/उनके प्रतिनिधि उपस्थित नहीं हुए तथा श्री गणेश दत्त जोशी स्वयं उपस्थित हुए।


अतः आवेदक श्री महेश सिंह नेगी का आवेदन पत्र खनिज परिहार नियमावली, 1960 के नियम 22 डी के अन्तर्गत आवेदित क्षेत्र 4.00 हैक्टेयर से कम होने, वर्तमान में खान मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा जारी दिशानिर्देश दिनांक 14.06.2009 के अनुसार 4.00 हैक्टेयर से कम के खण्ड पर खनन योजना भारतीय खान ब्यूरो द्वारा अनुमोदित नहीं किये जाने, खान एवं खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम, 1957 की धारा-11 के अधीन आवेदक के आवेदन पत्र से पहले के आवेदक के आवेदन पत्र पर पहले विचार किये जाने का प्राविधान है, के कारण खनिज सोपस्टोन का खनन पट्टा चाहने हेतु उनके आवेदन पत्र दिनांक 22.09.2006 को एतद्वारा अस्वीकृत/निरस्त किया जाता है।


(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या: 372 (1)/VII-1/13-ख/2007, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. जिलाधिकारी, पिथौरागढ़।
2. ज्येष्ठ खान अधिकारी, भूतत्व एवं खनिकर्म इकाई, उद्योग निदेशालय, उत्तराखण्ड, भोपालपानी, पोस्ट बड़ासी (कड़ई खाले), देहरादून को उनके पत्र संख्या 1727मु0ख0/85/पिथौ0/खनन/भू0खनि0इ0/2010-11, दिनांक 25 जनवरी, 2011 के क्रम में।
3. निदेशक, राष्ट्रीय सूचना एवं विज्ञान केन्द्र, सचिवालय परिसर, देहरादून।
4. श्री महेश सिंह नेगी पुत्र श्री प्रेम सिंह नेगी, निवासी जागनाथ कालोनी (दमुवाढुंगा), हल्द्वानी, जनपद नैनीताल।

आज्ञा से,

(एस0 राजू)
प्रमुख सचिव।